International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 1, January 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

मुंगेरशहर के म लन बस्तियों में जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन

पू र्णमा

पूर्व छात्रा ,काशी हिंदू वश्व वद्यालय ,वाराणसी

सारांश

हालां क नगरीकरण को वकास के संकेत के रूप में चन्हित कया जाता है परंतु बीसवीं तथा 21 वी शताब्दी के मध्य नगरीकरण के तीव्र दर ने ना केवल सामाजिक आ र्थक असमानताओं को बढ़ावा दिया है बल्कि नगरीय म लन बस्तियों के वकास का मुख्य कारण भी बनी रही । म लन बस्ती को समा न्यत: वैसे क्षेत्र के रूप में परिभा षत कया जाता है जहां ऐसे घरों की प्रमुखता पाई जाती है जो इतने निम्न स्तरीय होते हैं क , वे सुरक्षा स्वास्थ्य नैतिकता के लए हानिकारक बन जाते हैं । वकासशील देशों में ऐसी बस्तियों की स्थिति और भी दयनीय होती है । मुंगेर शहर की म लन बस्तियों में जीवन की गुणवत्ता के अध्ययन के क्रम में हम इन्हीं सामाजिक समस्या ,आ र्थक असमानता, शक्षा, स्वास्थ्य, उपभोगकेस्तर, सामाजिक स्थिति आदि मामलों पर चर्चा करेंगे ।

यह अध्ययन 150 परिवारों के सर्वेक्षण पर आधारित है । जिसका उद्देश्य मुंगेर शहर के म लन बस्तियों में जीवन के गुणवत्ता के स्तर को ज्ञात करना है ।इसके लए 10 चरो का चुनाव कया गया है। इन्हींचरो के आधार पर कम्पोजिट स्कोर इंडेक्सकानिर्माण कयागया एवं मानक वचलन व ध का प्रयोग करके म लन बस्तियों की जीवन की गुणवत्ता ज्ञात की गई है ।

कूट शब्द कंपोजिट स्कोर, मानक वचलन ,नगरीकरण , म लन बस्ती ,उपभोग का स्तर ।

परिचय

नगरीय जीवन में म लनबस्ती एक सामान्य स्थिति है ,जो नगरीय जीवन को समस्या ग्रस्त बनाती है।म लन बस्ती एक ऐसा अ धवास होता है जो शहरी क्षेत्र में वक सत होता है । म लन बस्तियां वकास के असमान वतरण को दर्शा ती हैं । रोजगारके तलाश में प्रतिवर्ष लोग गांव से शहरों में आते हैं एवं उच्च कराया ना दे पाने के कारण इन निम्न स्तरीय कम मूल्य वाली बस्तियों में शरण लेते हैं जिनसे इनका वस्तार होता चला जाता है । मरफी के अनुसार म लन

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 1, January 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

बस्ती को सामान्यता ऐसे क्षेत्र के रूप में परिभा षत कया जाता है जहां ऐसे घरों की प्रमुखता पाई जाती है जो इतने निम्न स्तरीय होते हैं क वे सुरक्षा , स्वास्थ्य और नैतिकता के लए हानिकारक बन जाते हैं । इन झुग्गी झोप ड़यों में आधारभूत सु वधाओं की कमी होती है । यहां भन्न प्रकार की बीमारियां, आव्रजन और व भन्न सामाजिक समस्याओं की अ धकता रहती है । इनके वकास का मुख्य कारण गरीबी एवं निवास के घरों की बेहद तंगी है । इस तथ्य परध्यान देने की आवश्यकता है की म लन बस्तियों की जनसंख्या जो क 1985 में तीन 33.1 म लयन थी 90 के दशक के पूर्वार्ध में बढ़कर 35 म लयन हो गई तथा 2001 तक 40 म लयनत क पहुंच गई (म लक ,2001) । नगरीय क्षेत्रोंमेंम लन बस्तियों के तीव्रतम वकास ने सामाजिक ,आ थक तथा पर्यावरणीय समस्याओं को बढ़ावा दिया । वकास से जुड़े वचारों में मानव वकास को जीवन की गुणवत्ता से संबं धत बताया गया है (संह ,2009) । उदाहरण के लए मौरिसने 1979 मेंभौतिक जीवन की गुणवत्ता सूचकांक के अध्ययन का प्रयास कया । जिसके अंतर्गत उन्होंने 3 घटक सम्मि लत कए । शशु मृत्यु दर , जीवन प्रत्याशा एवं बुनियादी साक्षरता । आज इसी पी. क्यू. एल .आई को एच.डी.आई का अग्रदूत कहाजासकताहै।साथहीइसेQOLकेआ थक स्वरूप के रूप में भी वर्गीकृत कया गया है (सरगी,2006) ।हालां कम लन बस्ती के निवारण के लएसरकार कई योजनाएं बनाई जा रही हैपरंतु आज तक इस समस्या के निवारण के लए जितनी योजना वक सत हुई है सब बेकार ही साबित हुई है। भारत सरकार ने राजीव आवास योजना के तहत शहरी गरीबों एवं गंदी बस्तियों में रहने वाले लोगों के लए निवास के घरों के निर्माण की महती योजना चलाई । वैश्विक स्तर पर भीतीसरी दुनिया में शा मल देशों में निवास स्थल के वकास के लए कई पायलट परियोजना चलाए गए हैं ।जिससे शहरों में गंदी बस्तियों एवं झुग्गी झोप ड़यों का उन्मूलन हो सके साथ ही वहां निवास करने वाले लोगों को व भन्न कार्यों का प्र शक्षण दिया जा सके ता क वह अपने जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में समर्थ हो पाए।

<u>उद्देश्य</u>

यह अध्ययन निम्न ल खत उद्देश्यों के साथ कया गया था:-

- मुंगेर शहर की म लन बस्तियों की पहचान करना ।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 1, January 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

- मुंगेर शहर के म लन बस्तियों में जीवन की गुणवत्ता के स्तर की जांच तथा निर्धारण करना ।
- म लन बस्तियों निवास करने वाले लोगों की जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लए उपाय सुझाना।

क्रया व ध

यहअध्ययन प्राथ मक तथा द् वतीयक आंकड़ों पर आधारित हैं । द् वतीयक आंकड़ों को वश्वसनीय साइटों से प्राप्त कया गया है । जब क प्राथ मक आंकड़ों के लए 150 परिवारों का चुनाव सर्वेक्षण व ध का प्रयोग करने के कया गया(मुख्यत : पूरबसराय ,चाय टोला , लाल दरवाजा, मेहंदीपुर,टीका रामपुर) है । इन क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने के लए कंपोजिट इंडेक्स तथा मानक वचलन तकनीक का प्रयोग कया गया है । कंपोजिट इंडेक्स के निर्माण के लए जीवन की गुणवत्ता पर आधारित 10 चरों का चयन कया गया है । तत्पश्चात माध्य एवं मानक वचलन की गणना की गई है । अं त में म लन बस्तियों में जीवन की गुणवत्ताकातुलनात्मक वश्लेषण करनेकाप्रयास कया गया है।

अध्ययन क्षेत्र

मुंगेर जिला 24 डग्री 20 मनट 30 सेकंड से 25 डग्री 30 मनट उत्तरी अक्षांश तथा 85 डग्री 30 मनट से 87 डग्री 30 मनट पूर्व के मध्य अवस्थित है ।जो उत्तर में गंगा ,पूर्व में भागलपुर ,पश्चिम में बाढ़ , द क्षण में जमुई जिले से घिरा हुआ है । इस का कुल क्षेत्रफल 3301.7 वर्ग कलोमीटर तथा कुल जनसंख्या 1367765 है।मुंगेर जिला नौ वक सत प्रखंडों में वभाजित है -मुंगेर ,जमालपुर , बरियारपुर ,धरहरा , खड़कपुर , तारापुर , असरगंज तथा संग्रामपुर । यह संपूर्ण अध्ययन मुंगेर ब्लॉक के नगरीय क्षेत्र पर आधारित है जो मुंगेर शहर के नाम से जाना जाता है यह बिहार का पांचवा सबसे बड़ा और द क्षण बिहार का द् वतीय सबसे बड़ा शहर है । यह शहर उत्तरवाहिनी गंगा के तट पर स्थित है । जो पश्चिम में भागलपुर से 60 कलोमीटर की दूरी पर तथा पटना शहर से 180 कलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है ।2011 के जनगणना आंकड़ों के अनुसार इस की जनसंख्या213303 है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 1, January 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

मुंगेर के नगरीय क्षेत्र में गंदी बस्तियों का वतरण

मुंगेर शहर में 58 झुग्गियों में रहने वाले कुल 130094 परिवार हैं ।इस प्रकार मुंगेर के 45% परिवार म लन बस्तियों में रहते हैं ।ऐसी स्थिति शहर में निम्न जीवन की गुणवत्ता दर्शाती है।म लन बस्तियों में रहने वाले अ धकतर लोग प्रवासीहैं ,जो आसपास के क्षेत्रों से प्रवा सत होकर यहां आ बसे हैं । इन 58 बस्तियों में लाल दरवाजा ,गुमटी नंबर 3 , सरपुर,छोटी केलाबाड़ी,नयागांव,बाघ छपरा , दलह ा कुम्हार टोली ,कोटा मैदान ,दिलावरपुर,लाल दरवाजा लॉ कॉलेज,लाल दरवाजा कंबल बाबा रोड,संपूर्ण पुर,संदलपुर शास्त्री नगर,गंगानगर ,रामलीला मैदान , गीता बाबू रोड, मर्ची तलाव ,धोबी तलाव दलह ा ,चंडी स्थान , रिफ्यूजी कॉलोनी , शेरपुर , नयागांव , छोटी मंगल बाजार गुमटी तीन , फौजदारी बाजार गुमटी नंबर 3 , पूरब सराय , माधोपुर ,पोलो गली ,

Table 1 -Distribution of slum areas in Munger

Sr. No.	Ward No.	Name of the Slum / Poverty Pocket	No. of Households	Major Castes	Land Ownership
1	1	Lal Darwaja Law College	50	SC/Mixed	State Govt.
2	1	Ambedkar Nagar, Kila Kshetra	120	SC/Mixed	Central Govt.
3	1	Ganga Nagar	150	SC/Mixed	State Govt.
4	1	Ram Lila Maidan	20	SC/Mixed	Not Know
5	2	Gita Babu Road	150	Mixed	Disputed
6	2	Lal Darwaja	125	Mixed	Private/Individual
7	2	Lal Darwaja	600	SC/Mixed	State Govt.
8	2	Lal Darwaja Cambal Baba Road	700	Mixed	State Govt.
9	3	Mirchi Talab Dhobi talab	60	SC/Mixed	Private/Individual
10	4	Dalhatta Kumhar Toli Kali Asthan	400	Mixed	Private/Individual
11	5	Chandi Asthan	40	Mixed	Private/Individual
12	5	Chandi Asthan Sahani Tola	120	Mixed	Private/Individual
13	5	Refugee Colony	50	Mixed	Trust Land
14	5	Sherpur	600	Mixed	State Govt.
15	6	Sampurpur	150	Mixed	State Govt.
16	6	Chakhandi Godhi	125	Mixed	Private/Individual
17	7	Naya Gaon	150	Mixed	Private/Individual
18	7	Bag Chapra	30	Mixed	State Govt.
19	9	Choti Mangal Bazar, Gumti No. 3	40	Mixed	Private/Individual
20	10	Fogdari Bazar Gaumti 3	80	Mixed	Trusted Land
21	11	Lal Darwaja Gomti No. 1	25	SC/Mixed	State Govt.
22	11	Choti Kila Bari, Dome Gali	25	SC/Mixed	State Govt.
23	14	Rampur Bhikhari Mohalla	350	SC/Mixed	Private Land
24	15	Murgia Chok Gumati No. 3	500	Mixed	Trusted Land
25	15	Murgia Chak	1000	Mixed	State Govt.
26	15	Purab Sarai	25	Mixed	Trusted Land
27	16	Teacher Training School	20	Mixed	Not Know
28	16	Madhopur	9	Mixed	Trusted Land
29	19	Raisir	400	Mixed	Private /Individual
30	19	Choramba	300	Mixed	Private /Individual
31	20	Purab Sarai	50	Mixed	Central Govt.
32	22	Dilaverpur 12	300	Mixed	Municipal land
33	22	Krishnapur	20	Mixed	Central Govt.
34	28	Bari Bazar	50	Mixed	Private /Individual
35	31	Gohari Tola Lallu Pokhar	750	Mixed	Disputed
36	33	Musahri Toli	500	Mixed	Disputed
37	34	Kora Maidan	300	Mixed	Private /Individual
38	35	Shastri Nagar	200	Mixed	Private /Individual
39	36	Sandalpur	350	Mixed	Private /Individual
40	37	Naya Tola	300	SC/Mixed	Private /Individual
41	38	Bichagaon Village	50	Mixed	Private /Individual
42	38	Purain Ganj Maksuspur	50	Mixed	Private /Individual
43	40	Chuha Bagh	450	Mixed	Private /Individual
44	40	Faujdari Bazar	400	Mixed	Private /Individual
45	41	Chandan Bagh	80	SC/Mixed	Private /Individual
46	41	Chai Tola	300	SC/Mixed	Private /Individual
47	42	Muhaddi Pur	600	Mixed	Private /Individual

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 1, January 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

Sr. No.	Ward No.	Name of the Slum / Poverty Pocket	No. of Households	Major Castes	Land Ownership
48	42	Mukhbira Chai Toli Kasim Bazar	1500	Mixed	Private /Individual
49	43	English	70	Mixed	Private /Individual
50	44	Vind Vara Ambedkar Nagar	50	Mixed	Private /Individual
51	45	Maua Toli	125	SC/Mixed	Private /Individual
52	45	Safiabad	50	SC/Mixed	Private /Individual
53	26	Kasi Tola	5	Muslim	Own Land
54	26	Poddas Gali	10	OBC	Private /Individual
55	24	Mesbar Toli	30	SC	Private /Individual
56	32	Hazrat Ganj Dar Tola	25	SC	Private /Individual
57	27	Polo Gali	30	OBC	Private /Individual
58	27	Garden Bazar	35	BC	Private /Individual

Source: Munger Municipal Corporation

,गुमटी तीन , लाल दरवाजा गुमटी- 1,दरवाजा,अंबेडकरनगर ,रामपुर , भखारी मोहल्ला ,मु र्गयां चौक रायसर , बड़ी बाजार , कृष्णापुर हजरतगंज,चाय टोली महदीपुर फौजदारी बाजार ,चूआ बाग आदि सम्मि लत है (टेबल1)। इन म लन बस्तियों में खुली ना लयों की भरमार है जो मल मूत्र एवं गंदे पानी के साथ मच्छर के पढ़ने के लए उपयुक्त स्थान है । सभी ग लयों एवं सड़कों के कनारे कूड़े कचरे का ढेर देखने को मलता है यह दोनों कारण नगरपा लका की निष्क्रियता को दर्शाते हैं ।कुछ क्षेत्रों में डोर टू डोर सेवा उपलब्ध होने के बावजूद भी नागरिकों का उसके प्रति रवैया इन बस्तियों में गंदगी को बढ़ावा देता है । हालां क 1995 में सभी कमाओ शौचालय को सुर क्षत शौचालयों में बदल दिया गया था तथा कुछ वर्ष पूर्व सरकारी योजना के तहत घर-घर शौचालय बनाने का आधा लागत सरकार तथा आधा लगत जिन्हें यह सेवाएं लेनी है उनके द्वारा वहन कर के अपने घरों में शौचालयों का निर्माण कया गया ।परंतु इन शौचालयों को बाद में लोगों ने सीधे

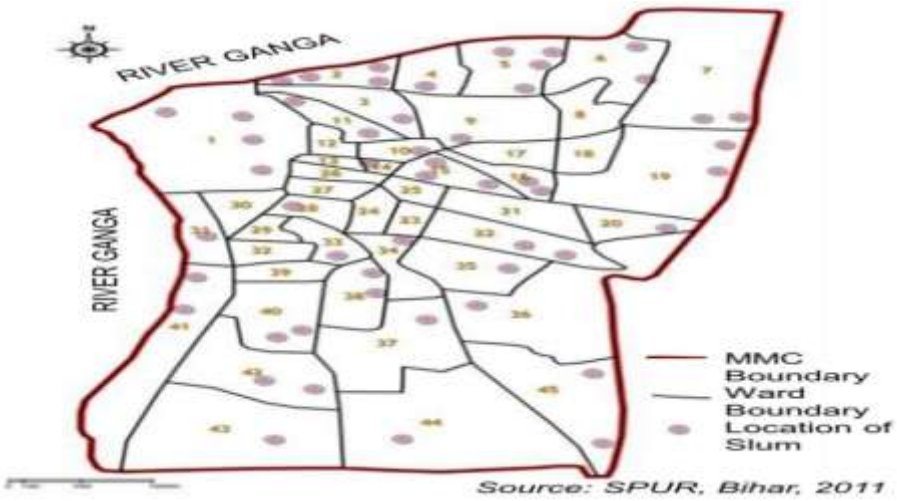

Figure 1:location of slum in Munger city

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 1, January 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

ना लयों से जोड़ रखा है ,जिससे ना लयों में मल प्रवाह देखने को मलता है । मुंगेर में प्राचीन काल में नगर की शुरुआत कला क्षेत्र के करण चौड़ा से हुई थी जब क आज मुंगेर नगर की सीमा द क्षण में स फयाबाद तक फैली हुई है । शहर के बाहरी इलाकों के समीपवर्ती क्षेत्र में म लन बस्तियों की संख्या अ धक है । जिसमें से चाय टोला (का सम बाजार) ,महदीपुर, लाल दरवाजा,पूरब सराय,टीकारामपुर में निवास करने वाले परिवारों में से 150 लोगों का अध्ययन हेतु चयन प्रतिदर्श के रूप में कया गया है ।

जीवन की गुणवत्ता के मापदंड

वर्तमान अध्ययन मुंगेर शहर की म लन बस्तियोंमें जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन करने हेतु कया गया है । जिसके लए कुल 10 चरों का चयन सावधानी पूर्वक कया गया है । म लन बस्तियों में जीवन की गुणवत्ता के निर्धारण के लए चुने गए मापदंड निम्न है -

आवासों की संरचना

वश्व की एक बि लयन जनसंख्या अपर्याप्त एवं निम्न स्तर के घरों में निवास करती है । जहां मूलभूत सु वधाओं की कमी तथा परिस्थिति काफी दयनीय पाई जाती है ।मुंगेर में दो प्रकार के म लन आवास पाए जाते हैं प्रथम जहां हरिजन निवास करते हैं यह क्षेत्र नगर के 22 क्षेत्रों में पाए जाते हैं इनके घर म ी , ईटों तथा पॉ लथीन के बने होते हैं ।यह घर निम्न स्तरीय होते हैं ।जहां स्वास्थ्यकर पर्यावरण का अभाव पाया जाता है यह लोग खुले मैदानों में शौच जाते हैं ।घरों में शौचालयों की व्यवस्था नहीं है ।हालां क सरकारी योजनाओं से सहायता लेकर अब लोगों ने शौचालय का निर्माण कर लया है। फर भी कुछ लोगों का इसके प्रति रवैया अभी भी उदासीन ही है ।

दूसरे प्रकार की म लन बस्तियां सूखा एवं बाढ़ प्रभा वत लोगों के ब साए हुए हैं ।यह हरिजनों की बस्तियों की अपेक्षा थोड़े अच्छे आवास होते हैं। यह बस्तियां वशेषकर चंडी स्थान के पछले हिस्से में , चूआ बाग लल्लू पोखर बेलन बाजार आदि क्षेत्रों में देखे गए हैं । जहां मुख्यता जाफरपुर दियारा , टीकारामपुर दियारा क्षेत्रों से लोग प्रवा सत होकर बसे हैं । सर्वेक्षण में प्राप्त

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 1, January 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

आंकड़ों के अनुसारडेढ़ सौ मकानों में से 128 मकान कच्चा या अ र्ध पक्का प्रकार के हैं । महदीपुर क्षेत्र में बने आवासों में पक्का मकानों की संख्या अ धक है जब क टीका रामपुर , पूरब सराय, लाल दरवाजा में यह संख्या निम्न बनी हुई है ।

पेयजल स्रोत

मुंगेर गंगा नदी के तट पर स्थित है तथा पीने के पानी के लए लोग इसी पर निर्भर है । मुंगेर के शहरीक्षेत्र में पीने के लए जल कस्तूरबा वाटर वर्क निर्गत कराती है । जो बड़ी बाजार में अवस्थित है ।इसकी वहन क्षमता 10•46 म लयन गेलन है ।जिससे शहर के कोने-कोने में जल की पूर्ति की जाती है ।इसके अलावा शहर में कई वाटर टैंक भी है जो मुख्यतः गुलजार पोखर सदर अस्पताल क्षेत्र आदि जगहों पर बनाए गए हैं । जहां से पूरे शहर में जल का वतरण होता है ।म लन बस्तियों में जलापूर्ति के स्रोत मुख्यता हैंडपंप देखे गए हैं । जो सार्वजनिक रूप से वहां निवास करने वालों द्वारा प्रयो ग कए जाते हैं । महद्दीपुर की म लन बस्तियों के अध्ययन से पाया गया है क वहां सरकार द्वारा लगाए गए एक हैंडपंप द्वारा सभी पेयजल प्राप्त करते हैं एवं आवश्यकता पड़ने पर निकट स्थित का सम बाजार थाना के पास लगे सरकारी प्याऊ द्वारा भी जल प्राप्त करते हैं । आंकड़ों के अनुसार 64% घर पीने का जल हैंडपंप से प्राप्त करते हैं जब क 36% नगर पा लका द्वारा प्रदान सु वधा का लाभ उठाते हैं ।

बिजली आपूर्ति

मुंगेरके शहरी क्षेत्रों को बिजली की आपूर्ति बरौनी थर्मल पावर , डीवीसी तथा पतरातु थर्मल से होती है ।शहर 243यूनिट औद्यो गक इकाई , 1917 यूनिट व्यापारिक इकाई, 1413 यूनिट स्ट्रीट लाइट तथा 2000 व्यक्तिगत कनेक्शन को बिजली मुहैया कराता है । वद्युत संकट के दौरान एनटीपीसी कहलगांव द्वारा भी बिजली की आपूर्ति की जाती है ।2011 में बाढ़ एनटीपीसी द्वारा भी बिजली की आपूर्ति यहां शुरू की गई है । म लन बस्तियों के अध्ययन से यह ज्ञात होता है क यहां बिजली के कोई व्यक्तिगत कनेक्शन ना के बराबर है परंतु हु कंग द्वारा बिजली चोरी की जाती है । बिजली न होने पर केरो सन के लैंप प्रयोग कए जाते हैं । सर्वेक्षण द्वारा प्राप्त

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 1, January 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

आंकड़ों के अनुसार 70% लोग बिजली को मुख्य स्रोत के रूप में प्रयोग करते हैं जब क 30% लोग प्रकाश के लए केरो सन के लैंपो का प्रयोग करते हैं ।

स्वास्थ्यसंबंधी सु वधाएं

म लन बस्तियों की अपवाहन की असु वधा ,शौचालय की अनुपलब्धता, शुद्ध जल के अभाव में पर्यावरण दू षत रहता है । स्वच्छता के अभाव में यहां कई प्रकार की बीमारियां लोगों को घेरे रहती है । जिसमे वषाणु जनित रोग मलेरिया दस्त आदि प्रमुखहै।इसकेअलावाचर्मरोग, टीबी तथा अन्यसंक्रामकरोग भी देखेजासकतेहै । जो स्वच्छताकीकमीकेकारणतीव्रतासेफैलतेहै ।सर्वेक्षण में प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 48% जोगी निवासी प्राइवेट क्लीनिक तथा 35% सरकारी अस्पतालों की सेवा का लाभ उठाते हैं ।जब क 17% पारंपरिक च कत्सा व्यवसाई के पास जाते हैं ।

राशन कार्ड के प्रकार

राशन कार्ड भारत में गरीबी के महत्वपूर्ण सूचक के रूप में जाना जाता है । लाल राशन कार्ड धारक वह लोग होते हैं जो गरीबी रेखा के नीचे आते हैं ।जब क पीला राशन कार्ड धारक समूह गरीबी रेखा के ऊपर आता है ।म लन बस्तियों में रहने वाले कुछ लोग ऐसे भी हैं जिनके पास कसी भी प्रकार का कोई कार्ड उपलब्ध नहीं है । जिसका मुख्य कारण इस कार्ड के प्रति लोगों की जागरूकता में कमी तथा कार्ड को बनाने की प्र क्रया का मुश्किल होना है ।

सीवेज प्रणाली

मुंगेर में केवल 5% घरों में सीवेज की व्यवस्था है शेष 95% घरों में इस सु वधा का अभाव देखने को मलता है । इसका निर्माण काफी क्षेत्रों में नहीं कया गया है तथा आसपास के क्षेत्रों में सीवेज का निर्माण कया तो गया है परंतु इस क्रम में पक्की सड़कों को तोड़कर तोड़ दिया गया तथा उनका पुनः निर्माण नहीं कया गया । वहीं दूसरी ओर अन्य क्षेत्रों में भी इस प्रणाली की शुरुआत सुचारू ढंग से नहीं हुई है ।

कचरा निष्पादन व्यवस्था/ प्रबंधन

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 1, January 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

शहर में अप शष्ट के निष्पादन के लए कोई स क्रय व्यवस्था नहीं है । कूड़े कचरे सड़क के कनारे ही फेंक दिए जाते हैं । कूड़े पात्र की संख्या काफी कम है । जिस क्षेत्र में कूड़ा पात्र लगाया भी गया है वहां भीपात्र की क्षमता से अ धक कूड़ा एकत्र होने के कारण कुड़े सड़कों पर ही मलते हैं ।घरेलू कचरे के निष्पादन की कोई सुव्यवस्थित व्यवस्था नहीं है । सर्फ एक तिहाई परिवार ही नगर पा लका द्वारा निर्धारित स्थान पर कचड़ा फेंकते हैं ।

Table 2:selected variables for quality of life of slum dwellers and their X value

Variables	Parameters	Indicators	Weightage Value	Tikarampur		Purabsarai		Mahaddipur		Lal Darwaja		Chaii Tola	
				% of HH	X Value	% of HH	X Value	% of HH	X Value	% of HH	X Value	% of HH	X Value
1	Source of Lighting	Eletricity	2	70	1.4	64	1.28	68	1.36	72	1.44	76	1.52
		Kerosene	1	30	0.3	36	0.36	32	0.32	28	0.28	24	0.24
2	Fule used for cooking	LPG	5	26	1.3	40	2	48	2.4	40	2	36	1.8
		Eletricity	4	24	0.96	16	0.64	12	0.8	20	0.8	32	1.28
		Kerosene	3	18	0.48	16	0.48	20	0.6	16	0.48	12	0.36
		Coal	2	12	0.24	16	0.32	12	0.24	8	0.16	8	0.16
		Cow Dung Cake	1	20	0.2	12	0.12	8	0.08	16	0.16	12	0.12
3	Source of Drinking Water	Municipal Tap	2	30	0.6	44	0.88	48	0.96	36	0.72	28	0.56
		Hand Pump	1	70	0.7	56	0.56	52	0.52	64	0.64	72	0.72
4	Housing Condition	Pucca	3	10	0.3	12	0.36	20	0.6	30	0.9	8	0.24
		Semi Pucca	2	60	1.2	52	1.04	62	1.24	64	1.28	70	1.4
		Kachha	1	30	0.3	36	0.36	18	0.18	6	0.06	22	0.22
5	sewage Disposal Facility	Average	2	56	1.12	36	0.72	40	0.8	35	0.7	55	1.1
		Poor	1	44	0.88	64	0.64	60	0.6	65	0.65	45	0.45
6	Place Of Waste Dumping	Area fixed by municipality	3	28	0.84	28	0.84	24	0.72	24	0.72	12	0.36
		On Roads	2	60	1.2	56	1.12	64	1.28	68	1.36	48	0.96
		Near water bodies	1	12	0.12	16	0.16	12	0.12	8	0.08	60	0.4
7	Medical Facilities	Govt. Hospital	3	40	1.2	40	1.2	36	1.08	16	0.48	36	1.08
		Private Clinic	2	50	1	44	0.88	48	0.96	56	1.12	40	0.8
		Traditional Practitioner	1	10	0.1	16	0.16	16	0.16	28	0.28	24	0.24
8	Literacy (%pop.)	Literate	2	19	0.38	20	0.4	30	0.6	18	0.36	25	0.5
		Illitarate	1	81	0.81	80	0.8	70	0.7	82	0.82	75	0.75
9	Female Literacy (% pop.)	Literate	2	10	0.2	12	0.24	20	0.4	15	0.3	18	0.36
		Illitarate	1	90	0.9	88	0.88	80	0.8	85	0.85	82	0.82
10	Ration Card Type	Yellow Card(APL)	3	52	1.56	40	1.2	36	1.08	44	1.32	16	0.48
		Red Card(BPL)	2	32	0.64	36	0.72	32	0.64	32	0.64	36	0.72
		Without card	1	16	0.16	12	0.12	32	0.32	24	0.24	48	0.48

Source: field survey

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 1, January 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

साक्षरता

शक्षा हमेशा से ही सामाजिक आ र्थक स्थिति का महत्वपूर्ण सूचक रही है ।ऐसा माना जाता है क म लन बस्तियों में अत्य धक गरीबी ही अ शक्षा का मुख्य कारण है । अर्थात अ शक्षा और गरीबी एक साथ अस्तित्व में रहते हैं। हालां क सरकारी योजनाओं जैसे मड डे मील तथा बच्चों में अनाज वतरण की व्यवस्था ने म लन बस्तियों से बच्चों को सरकारी स्कूलों की तरफ खींचा है ले कन इसके बावजूद भी वयस्कों में इसकी स्थिति दयनीय बनी हुई है ।

महिलासाक्षरता

महिला साक्षरता ना केवल शक्षा का सूचक होता है । बल्कि यह समाज में महिलाओं की स्थिति का भी महत्वपूर्ण सूचक माना जाता है । सर्वेक्षण क्षेत्र में महिलाओं की साक्षरता काफी निम्न देखी गई है । यह प्रवृत्ति ज्यादातर वयस्क महिलाओं से संबं धत है ।जब क छोटी बच्चियों के स्कूल जाने के प्रति लोगों के अंदर सकारात्मक सोच देखी गई है ।जिसका मुख्य कारण सरकार द्वारा चलाई गई योजनाएं हैं । जिसमें बच्चियों को प्रोत्साहन रा श के साथ-साथ अनाज भी मुहैया कराए जाते हैं ।

<u>जीवन की गुणवत्ता का स्तर</u>

यहाँजीवन की गुणवत्ता के स्तर को मापने के लए मात्रात्मक वश्लेषण का सहारा लया गया है ।सभी 10 चरो को कुछ उपयुक्त मान दे कर कंपोजिट् स्कोर की गणना की गई है(टेबल - 3)।

Table 3:composite score for slums of Munger City

SLUM	X1	X2	X3	X4	X5	X6	X7	X8	X9	X10	X	X-X	(X-X)2
Tika Rampur	1.7	1.88	1.3	1.8	2	2.16	1.3	1.19	1.1	2.36	16.79	-1.496	2.238
Purabsarai	1.64	3.56	1.44	1.76	1.36	2.12	2.24	1.2	1.12	2.04	18.48	0.194	0.037
Mahaddipur	1.68	3.8	1.48	2.02	1.36	2.12	2.2	1.3	1.2	2.04	19.2	0.914	0.835
Laldarwaja	1.72	3.6	1.36	2.24	1.35	2.16	1.88	1.18	1.15	2.2	18.84	0.554	0.306
Chaii tola	1.76	3.72	1.28	1.86	1.55	1.72	2.12	1.25	1.18	1.68	18.12	-0.166	0.027
Total											91.43		3.443

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 1, January 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

कंपोजिटस्कोर के माध्य का मूल्य 18.3 है ।जब क मानक वचलन 0.85 है । जिसके आधार परइन पांच म लन बस्तियों को वर्गीकृत करने का प्रयास कयागया है ।अध्ययन के आधार पर जीवन की गुणवत्ता के चार स्तर पर इन पांच म लन बस्तियों को वर्गीकृत कया गयाहै ।जैसा कटेबल 4 से स्पष्ट होता है महदीपुर की म लन बस्ती जीवन की अच्छी गुणवत्ता और स्थिति को दर्शाती है ।यहां केआवासों की स्थिति में सुधार हुआ है ।पक्के मकान बन गए हैं । पहले की तुलना में वर्तमान में म लन बस्ती का वस्तार कम हुआ है और अब मात्र 20 घरों की पहचान ही म लन बस्ती के रूप में की जा सकती है ।जब क टीकारामपुर के म लन बस्तियोंमें जीवन की गुणवत्ताकी स्थिति काफी निम्न है ।यह मुख्यता बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र है ।जलजमाव के कारण कई प्रकार के स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी बनी रहती है ।चाईटोलाक्षेत्रमेंज्यादातरदियाराक्षेत्रसेप्रवा सतलोगनिवासकरतेहैं।प्रवा सतलोगोंकीअ धकताकेकारणयहां जीवनजीनेकीदशानिम्नबनीहुईहै।जिसकारणजीवनकीगुणवत्तानिम्नकहीजासकतीहैपरंतुयहटीकारामपुर कीअपेक्षाथोड़ीबेहतरहै।जिसकामुख्यकारणयहांपीनेकेजलकीठपलब्धताऔरआवासोंकीबेहतरस्थितिहै।पूर बसराय तथा लाल दरवाजा के म लन बस्तियों की स्थिति टीकारामपुर तथा चाई टोला की म लन बस्तियों की स्थिति से बेहतर है ।

Levels Of Quality Of Life	Statistical Value	Composite Score	Name Of Slum
Good	10+2	19.115 - 19.944	Mahaddipur
Medium	to+	18.286 - 19.115	Purabsarai ,Lal darvaja
Poor	to-	17.457 - 18.286	Chaii Tola
Very Poor	to-2	16.628 - 17.457	Tika Rampur

Table 4 :level of quality of life in slums of Munger City

इन सभी म लन बस्तियों में कचरा निष्पादन की व्यवस्था तथा सीवेज की व्यवस्था का अभाव है । जिसके कारण गंदगी तथा बीमारियां लगातार बनी रहती है ।खाना बनाने के इंधन के रूप में अभी भी एलपीजी का प्रयोग काफी कम लोग करते हैं ।साक्षरता दर वयस्क महिलाओं में कम देखने को मली है तथा स्वास्थ्य सु वधाएं भी अपर्याप्त हैं ।यह दर्शाती है क म लन बस्तियों में कुल मलाकर जीवन की गुणवत्ता निम्न है ।

निष्कर्ष

चर्चा के आलोक में यह कहा जा सकता है क मुंगेर की म लन बस्तियों की जीवन की गुणवत्ता काफी निम्न है । आवास, साक्षरता, पेयजल की उपलब्धता एवं प्रकाश की उपलब्धता आदि चरों में सुधार तो हुआ है ले कन फर भी इन कारकों में हुए सुधार को पर्याप्त नहीं कहा जा सकता है । वही खराब सीवेज तंत्र तथा अप शष्ट निपटान व्यवस्था की अपर्याप्तताने क्षेत्र को गंदी बस्ती या म लन बस्तियों में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भू मका निभाई है ।जलजमाव की समस्या ने इन क्षेत्रों में डेंगू मलेरिया तथा अन्य कई संक्रामक रोगों को बढ़ावा दिया है । यहां ध्यान देने योग्य बात यह है क स्थान वशेष में अवस्थित म लन बस्तीमें इन चरों के आधार पर काफी व वधता मलती है ।यह कसी खास पैटर्न का अनुसरण नहीं करती ।इस लए म लन बस्तियों में जीवन की गुणवत्ता के स्तर के सुधार के सुझाव के रूप में आवश्यक है की इन बस्तियों के निवा सयों की सामाजिक आ र्थक स्थिति को बेहतर बनाने के प्रयास कए जाएं ।इसके लए गैर सरकारी संस्थाओं की सहायता ली जा सकती है । जिसके माध्यम से निवा सयों को सरकार द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओं के प्रति जागरूक कया जा सकता है । ता क वह इन योजनाओं का अ धक से अ धक लाभ प्राप्त कर सकें। साथ ही पब्लिक प्राइवेट पार्टनर शप में आवासों के निर्माण,सीवेज की व्यवस्था तथा अप शष्ट निपटान की व्यवस्था करवाई जा सकती है ।

संदर्भ सूची

1. Sirgy, J., Michalos, A. C., Ferriss, A. L.,Easterlin, R. A., Patrick, D., & Pavot, W.2006): "The quality-of-life (QOL) research movement: Past, present, and future", Social Indicators Research, 76, 343–466.
2. S i n g h , O . P. (2 0 0 9) : PhilosophY of Development, Quality of Life and Philosophical Geography, Journal of Regional Science and Development, Vol.4-

5, No. 1-2,June-December 2004-05,The Himalayan Geographical Association,Nainital.

3. Mallick, Rabial (2001): "Urban Poor in Calcutta". achr@loxinfo.co.th
4. Sinha P.P 1993 :Munger ,Chandrakanta publication
5. The Economic Intelligence Unit of Quality of Life, www.economist.com/media/pdf/QUALITY_OF_LIFE.pdf
6. Mishra, R.N. and Sharma, Pawan kumar(2002): "Quality of life in human settlement-A case study of Jaisalmer District", Studies in Geography, Jaipur
7. Tripathi (2011): "Urban poor living in slums of Varanasi city", Sharma, P. R., Yadav R.S., Sharma V.N.(eds.): Research methodology: Concepts and Studies, RK BOOKS, New Delhi, Pages 493-515.
8. City development plan 2011, Munger, support programme for urban reforms in Bihar, urban development and housing department ,government of Bihar